जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली संस्कृत विभाग (2021- 22)

Add-On Course Report

Name of the course: LINGUISTICS Conducted by: Department of Sanskrit Course Coordinators: Dr. Indu Soni

Duration: 2.5 months (7 Jan-20 March 2022)

No. of Hours: 30

No. of students enrolled: 41

Fee per student: 100

Total: 4100

Teaching Methodology/Pedagogies Used: Lectures from speakers, Movie screening, PPT,

Projects, Assignment and Test.

Modes of Assessment and Evaluation: Attendance/Assignments/Test.

Learning Outcomes of the course:

- 1. The objective is to provide an introduction to Language i.e. what is Language, Definition & different forms of language, Various theories of Origin of language, How language is different from sounds, Factors affect the Language Change and Internal external causes of Language Change
- 2. Introduction to major concepts of morphology and to discuss its place within linguistic theory.
- 3. Provide understanding that children acquire their mother tongue through interaction with their parents and the environment that surrounds them. Their need to communicate paves the way for language acquisition to take place.
- 4. Provide major concepts of the syntax that refers to grammar, while semantics refers to meaning. Syntax is the set of rules needed to ensure a sentence is grammatically correct; semantics is how one's lexicon, grammatical structure, tone, and other elements of a sentence coalesce to communicate its meaning.
- 5. Teaching Sanskrit through computational tools is an effective way due to which a language as difficult as Sanskrit would become relatively easy and more students would be able to learn it. Computational linguistics is defined as a combination of Computer Science and any language.

Module1: Form and type of Name of the Resource Persons-

- 1. Dr. Vikas, Lalit narayan
- 2. Dr. Devendra Singh Rajput, Central University of Haryana
- 3. Dr. Tanuja Rawal, Janki Devi memorial college

- 4. Ms. Jyoti, Janki Devi memorial college
- 5. Dr. Rajinder Kumar, Janki Devi memorial college
- 6. Dr. Indu Soni, Janki Devi memorial college
- 7. Dr. Manisha Kumari, Janki Devi memorial college

Short Description: Janki Devi Memorial College, Sanskrit department organized an add-on course on LINGUISTICS. The course contains eight modules:-

Module 1:Language

Module 2: Phonology

Module 3: Pad Vigyan

Module 4: वाक्य (Syntax),(Semantics)

Module 5: Language Learning vs Acquiring and Word-Meaning relations

Module 6: Computational-linguistics and Computational Tools and Technology for

Sanskrit Language

Module 7: Classification of Languages

Expert teacher explained the module to the participants. The trainers taught the participants how to use the concepts by giving several examples. It strengthens the student's linguistics points in various ways. The participants have taken an online exam. It was an entire successful course.

Attendance cum Feedback link

https://docs.google.com/spreadsheets/d/1adcZ54WaPzgPGhy-XY_1H7cqvA3zMORevc5dt_bd0cQ/edit?usp=sharing

Video recordings:

https://drive.google.com/file/d/1vgDTLjXU7FzkJ45fVfl-8Bg3hbRGQdVl/view?usp=drive web

https://drive.google.com/file/d/10wE80TvCd6SVvJAAlu5QvL2qh1ceP9Ld/view









जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)
संस्कृत विभाग

JDMC-IQAC सेंटर फॉर करियर काउंसलिंग,
करियर अपॉर्चुनिटीज,

स्किल एन्हांसमेंट के संयुक्ततत्वावधान में

ऐड-ऑन पाठ्यक्रम

विषय - भाषा विज्ञान

काल: 30 होरा

Reg. Link-

https://forms.gle/4PKBESwXRsM9D5pf6

मापांक (MODULE) -

- भाषा स्वरूप तथा प्रकार
- अध्ययन के प्रकार एवं पद्धतियां
- भाषा के अंग (ध्वनि,पद, वाक्य, अर्थ)
- भाषा वर्गीकरण
- ऐतिहासिक और तुलनात्मक भाषाविज्ञान

आवेदन अंतिम तिथि- जनवरी 05, 2022 आवेदन शुल्क-100/-

Bank Details-

A/C Name-JDM SS A/C

A/C-No.- 8594101050003

IFSC-- CNRB0008594

Branch- Canara Bank,

Janki Devi Memorial College, Sir Ganga Ram Marg Hospital Marg,New Delhi-60

डॉ. इंदु सोनी

प्रो. स्वाति पाल प्राचार्या

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE

(UNIVERSITY OF DELHI)

DEPARMENT OF SANSKRIT

UNDER THE AEGIS OF JDMC-IQAC AND CENTRE FOR CAREER COUNSELLING, CAREER

OPPORTUNITIES, AND SKILL ENHANCEMENT

Add On course on

LINGUISTICS

DURATION: 30 HRS

Reg. Link-

https://forms.gle/4PKBESwXRsM9D5pf6

MODULE

- MEANING AND NATURE OF LANGUAGE
- STUDY TYPES AND METHODS
- PARTS OF LANGUAGE (SOUND, PHRASE, SENTENCE, MEANING)
- LANGUAGE CLASSIFICATION
- HISTORICAL AND

COMPARATIVE LINGUISTICS

JANUARY 05, 2022

FEE-100/-BANK DETAILS-

A/C NAME-JDM SS A/C

A/C-NO.- 8594101050003

IFSC- CNRB0008594 BRANCH-

CANARA BANK,

JANKI DEVI MEMORIAL

COLLEGE SIR GANGA RAM MARG

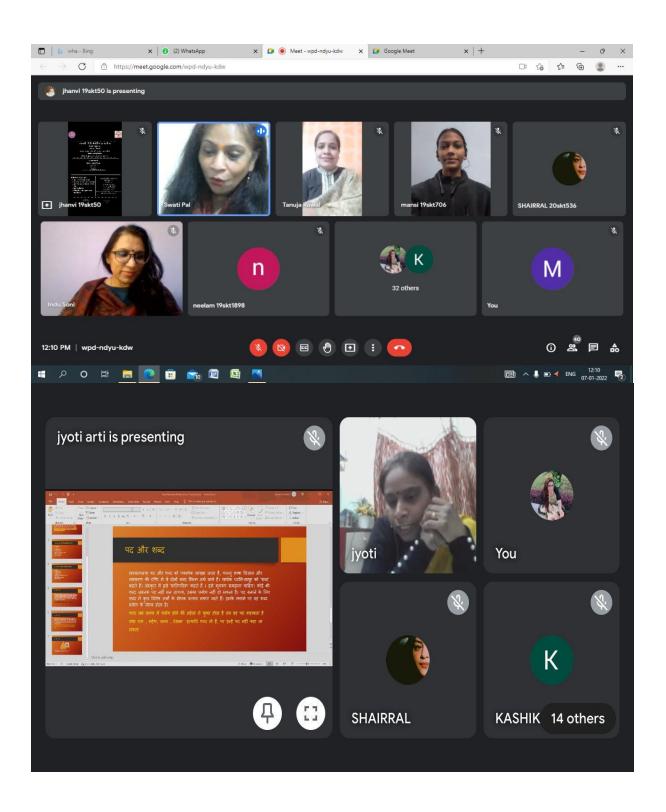
SIR GANGA RAM MARG

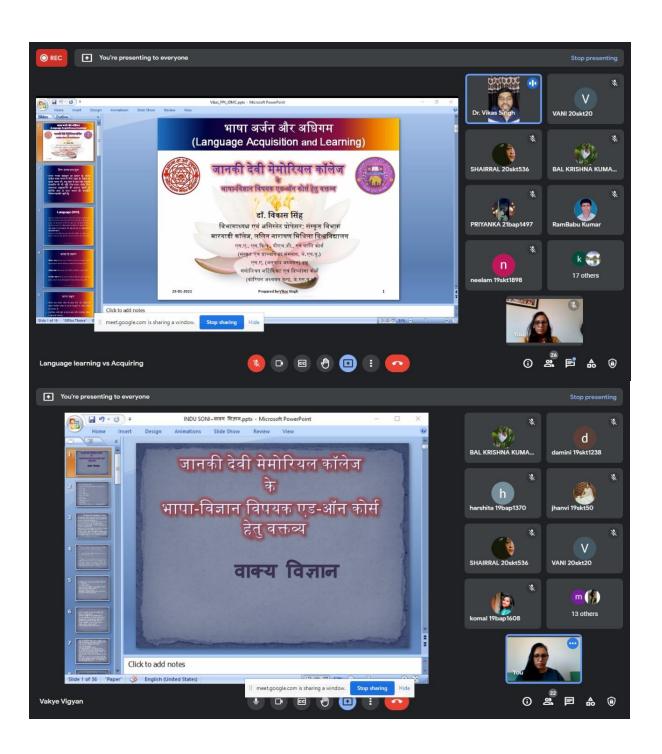
HOSPITAL MARG, NEW DELHI-60

Dr. Indu Soni

Course Convenor

Prof. Swati Pal Principal





कार्यक्रम - करियर काउंसलिंग सेशन रिपोर्ट दिनांक - 9th March, 2022 समय - 2.30 दोपहर कक्ष संख्या - 41A

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 9 मार्च, 2022 को छात्राओं को वृत्तिक एवं उच्च शिक्षा के लिए परामर्श हेतु एक करियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन कराया गया । इसमें मुख्यवक्ती के रूप में जानकी देवी महाविद्यालय के संस्कृत-विभाग की पूर्व छात्रा एवं वर्तमान में श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में पीएच डी की शोधछात्रा सोनाली सैनी को आमंत्रित किया गया । कार्यक्रम का आयोजन रूम नंबर 41A में किया गया और इसमें बी ए ओनर्स एवं बी ए प्रोग्राम की लगभग 45 छात्राओं ने भाग लिया । सोनाली ने संस्कृत के क्षेत्र में भावी रोजगार की संभावनाओं, उच्च शिक्षा में प्रवेश परीक्षा की तैयारी, संस्कृत में शोध की विधियों आदि से छात्राओं को परिचित कराया और अंत में उनके प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी शंकाओं का भी समाधान किया ।









Add on Course

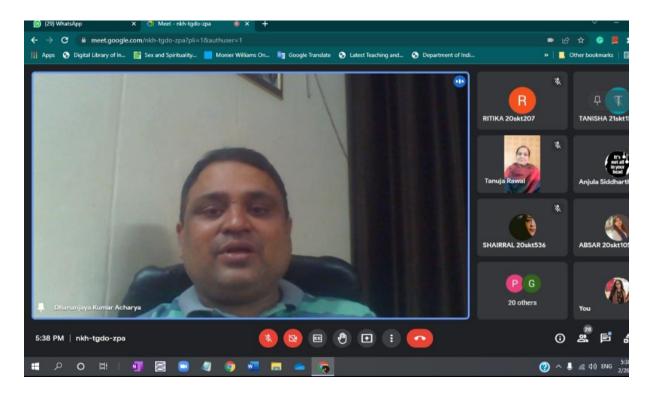
Course Name- VadatuSamskrtam (Speak in Sanskrit)

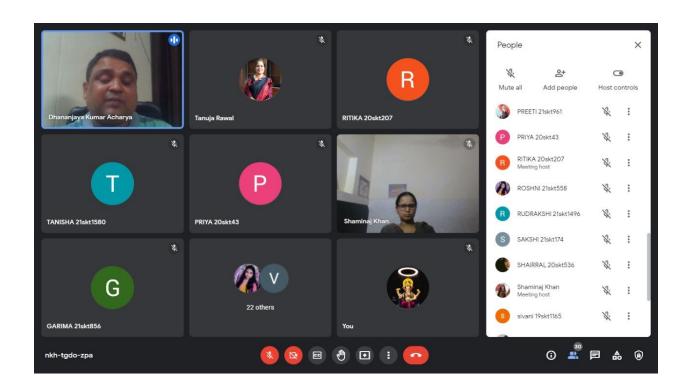
Short description: Janki Devi Memorial College, Sanskrit department, In Collaboration with Sanskrit Bharti, Delhi, has organized an add-on course on VadatuSaṃskṛtam (Speak in Sanskrit). The course contains five modules. Vibhkti, Lakāra, *Pratyaya* Visheṣya-Visheṣaṇaṇa, and *Vāchya-Parivartana*. An expert teacher from Sanskrit Bharti Mr. Jay Dev Veer and Dr. Tanuja Rawal, JDMC, and Dr. Shaminaj Khan, JDMC, explained the module to the participants. The trainers taught the participants how to use the concepts by giving several examples of Sanskrit sentences. They encouraged them to create as many Sanskrit sentences as possible and speak aloud. It strengthens the student's Sanskrit language. At the end of the course, the participants could communicate in Sanskrit. After the course, we have a valedictory session. The participants have taken an online exam. It was an entire successful course.

Eligibility-Open for all Number of Studnets-33 Duration-30 hours Timings-3.30-4.30 Course fees-Free of Cost Course conveners - Dr. Tanuja Rawal, Dr. Shaminaj Khan









अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार विषय - भारतीय मातृभाषाओं की सुरक्षा तथा पोषण में संस्कृत की भूमिका" मुख्यवक्ता - डॉ बलराम शुक्ल

दिनांक - 21/02/2022 समय - दोपहर - 2.00 बजे

स्थान - सेमिनार कक्ष

21 फरवरी, 2022 को जानकी देवी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग और संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का प्रथम सत्र हिंदी विभाग द्वारा आयोजित किया गया। जिसका मुख्य विषय "भूमंडलीकरण के दौर में मातृ भाषाओं का अस्तित्व और चुनौतियां" रहा और जिसके मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. हिदेआकी इशिदा, दाइतो बुंका विश्वविद्यालय, जापान से एवं तथा मुख्य वक्ती के रूप में रजनी मुर्मू, समाजशास्त्र विभाग, गोड्डा कॉलेज, झारखंड से आमंत्रित किया गया । द्वितीय सत्र संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय "भारतीय मातृभाषाओं की सुरक्षा तथा पोषण में संस्कृत की भूमिका" रहा और जिसके वक्ता के रूप में डॉ बलराम शुक्ल, संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय को आमंत्रित किया गया । व्याख्यान का आयोजन अंतर्जालीय ज़ूम के माध्यम से Blended Mode में सेमिनार कक्ष में किया गया । जिसमें महाविद्यालय के अनेक छात्राओं और शिक्षकों ने सेमिनार कक्ष में उपस्थित रहकर भाग लिया। अन्य महाविद्यालयों विश्वविद्यालयों के छात्र झूम माध्यम से इस कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र का सञ्चालन संस्कृत विभाग की द्वितीया वर्षीया छात्रा रितिका ने किया । मुख्य वक्ता डॉ बलराम शुक्ल ने भारत में मातृभाषाओं की स्थिति तथा उसमें संस्कृत का योगदान- इस विषय पर विशद चर्चा की। भाषा का विश्लेषण करते हुए महोदय ने बताया कि भाषा के दो रूप हैं एक स्थिर भाषा और एक चल भाषा और संस्कृत दोनों स्थितियों में ही रही है। उन्होंने बताया भाषा के रूप में संस्कृत ने भारत की सभी मातृ भाषाओं को तत्सम-तद्भव शब्द देकर अन्य भाषाओँ पर उपकार किया है तथा इसके अतिरिक्त संस्कृत भाषा ने अन्य भाषाओं से अनेक शब्दों को ग्रहण भी किया है । उन्होंने बताया कि भारत में 98% भाषाएं संस्कृत से प्रभावित हैं तथा उनमें संप्रेषण की समानता का मूल कारण भी संस्कृत भाषा ही है जो मातृभाषाओं के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान देती है

। कार्यक्रम के अंत में संस्कृत विभाग की विभागाध्याक्षा डॉ. तनुजा रावल ने कार्यक्रम का संक्षेपण एवं समापन करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया । कल्याण मंत्र के साथ ही कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ ।











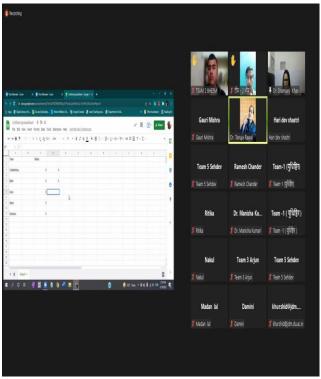
वार्षिकोत्सव 'सिंफनी प्रतियोगिता का नाम - संस्कृत प्रश्नमंच प्रतियोगिता दिनांक - 18 फरवरी, 2022 समय – 1.30 दोपहर

जानकी देवी महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव 'सिंफनी: उत्कृष्ट से उत्कृष्टतम की ओर एक अवसर ' की श्रृंखला में 18 फरवरी, 2022, शुक्रवार को संस्कृत-विभाग द्वारा अंतर्जालीय जूम माध्यम के द्वारा संस्कृत प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए दो-दो छात्र-छात्राओं की 5 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में संस्कृत भारती हरियाणा न्यास के प्रांत कोषाध्यक्ष आचार्य श्री हरिदेव शास्त्री महोदय को निमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रथम वर्ष की छात्रा रितिका ने मंगलाचरण द्वारा किया। इसके अनंतर संस्कृत विभाग की विभागाध्याक्षा डॉ. तनुजा रावल ने सभी प्रतिभागियों से श्रीमद्भगवद्गीता सम्बन्धी प्रश्न पूछे। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार वेंकटेश्वर महाविद्यालय के सौरभ एवं हर्षित ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय की स्नेहा और अनामिका की टीम ने जीता तथा तृतीय पुरस्कार के विजेता आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय के आयुष मौर्य एवं अमन रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया और कल्याण मंत्र के साथ ही कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।







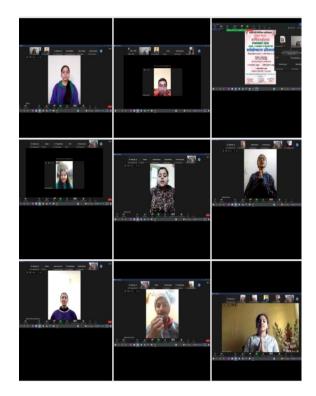


वार्षिकोत्सव 'सिंफनी प्रतियोगिता का नाम - श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता दिनांक - 18 फरवरी, 2022 समय - 9.30 सुबह

जानकी देवी महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव 'सिंफनी : उत्कृष्ट से उत्कृष्टतम की ओर एक अवसर ' की श्रृंखला में 18 फरवरी, 2022, शुक्रवार को संस्कृत-विभाग द्वारा श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन सुबह 9.30 अंतर्जालीय जूम माध्यम के द्वारा किया गया । इसमें विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 15 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में संगीत में सुप्रसिद्ध उस्ताद आमिर ख़ान के इंदौर घराने की गायकी की गौरवशाली परंपरा में तीसरी पीढ़ी के प्रतिपादक पंडित नरेश मल्होत्रा और जानकी देवी महाविद्यालय के संगीत विभाग की प्राध्यापिका डॉ. प्रेरणा अरोड़ा महोदया उपस्थित रहीं । कार्यक्रम का शुभारंभ द्वितीय वर्ष की छात्रा रितिका ने मंगलाचरण द्वारा किया । इसके अनंतर सभी प्रतिभागियों ने क्रम से श्लोकोच्चारण किया । इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार लेडी श्रीराम महाविद्यालय की छात्रा शिवा कुमारी ने प्राप्त किया । द्वितीय पुरस्कार की विजेता जानकी देवी महाविद्यालय की छात्रा मानसी मिश्रा रही और तृतीय पुरस्कार शिवाजी महाविद्यालय की छात्रा बानु ने प्राप्त किया । कार्यक्रम के अंत में संस्कृत विभाग की विभागाध्याक्षा डॉ. तनुजा रावल महोदया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया । कल्याण मंत्र के साथ ही कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ ।





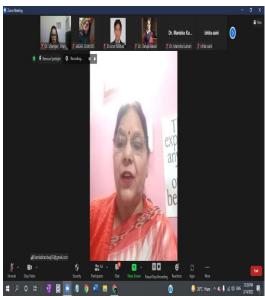




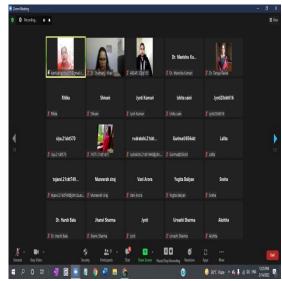
राष्ट्रीय वेबिनार विषय — 'भारतीय परंपरा में लैंगिक समानता' मुख्यवक्ता - प्रो. कमला भारद्वाज, लाल बहादुर शास्त्रीय संस्कृत विद्यापीठ. दिनांक - 14 फरवरी, 2022 समय - दोपहर — 12.00 बजे

14 फरवरी, 2022 को जानकी देवी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 'भारतीय परंपरा में लैंगिक समानता' विषय पर एक अंतर्जालीय संगोष्ठी का आयोजन कराया गया । इसमें श्री लाल बहादुर शास्त्री विश्वविद्यालय की पूर्व प्राध्यापिका प्रो. कमला भारद्वाज महोदया को मुख्य-अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया । इस व्याख्यान में दिल्ली विश्वविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों से अनेक छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रथम वर्षीया छात्रा तनीषा ने मंगलाचरण गान किया । प्रो. कमला महोदया ने अपने व्याख्यान द्वारा मुख्य रूप से वैदिक काल में स्त्रियों के सामाजिक एवं शैक्षिक अधिकारों, वेदों और स्मृति ग्रंथों में वर्णित स्त्री जीवन के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम के अंत में प्रश्लोत्तर के माध्यम से विषय से संबंधित शंकाओं पर भी चर्चा की । कार्यक्रम का समापन करते हुए सभी ने अंत में शांति पाठ किया ।





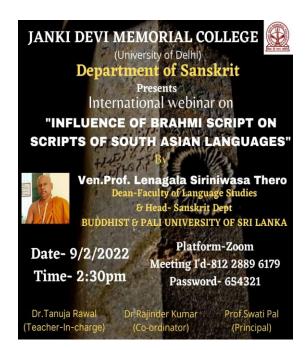




अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार विषय - "दक्षिण एशिया की लिपियों पर ब्राह्मी लिपि का प्रभाव" मुख्यवक्ता - Ven. Prof Lengala Siriniwas Thero, Dean - Faculty of language Studies & Head of the Sanskrit Department, Buddhist & Pali University of Shri Lanka

दिनांक - 9/02/2022 समय - दोपहर - 2.30 बजे

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के द्वारा दिनांक 9/02/2022 को "दक्षिण एशिया की लिपियों पर ब्राह्मी लिपि का प्रभाव" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया । वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में Ven. Prof Lengala Siriniwas Thero, Dean - Faculty of language Studies & Head of the Sanskrit Department, बुद्धिष्ट एवम् पालि विश्वविद्यालय, श्रीलंका से आमंत्रित किया गया । जिसमें 57 भारतीय तथा श्रीलंका के संस्कृत तथा संस्कृतेतर विद्वान् तथा छात्र उपस्थित रहे। वेबीनार का मंच संचालन द्वितीय वर्षीय छात्रा अबसार परवीन द्वारा किया गया। वेबिनार का आरम्भ पालि भाषा में बुद्ध वन्दना से संस्कृत की द्वितीय वर्षीय छात्रा रितिका ने किया, उसके पश्चात् महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल महोदया ने सभी को संबोधित करते हुए, ब्राह्मी लिपि से संस्कृत और तिमल भाषा के सम्बन्ध को बताया। संस्कृत विभाग के प्रध्यापक डॉ. राजेन्द्र कुमार ने बीज वक्तव्य प्रस्तुत कर ब्राह्मी से भारतीय भाषाओं की लिपियों की उत्पत्ति पर प्रकाश डाला। प्रो. थेरो के द्वारा सिंहली पाली भाषा पर ब्राह्मी लिपि के प्रभाव को स्पष्ट करते हुए उनके स्वरों एवं व्यंजन में ब्राह्मी के प्रभाव को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। अंत में संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. तनुजा रावल महोदया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और शांति पाठ के द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया।





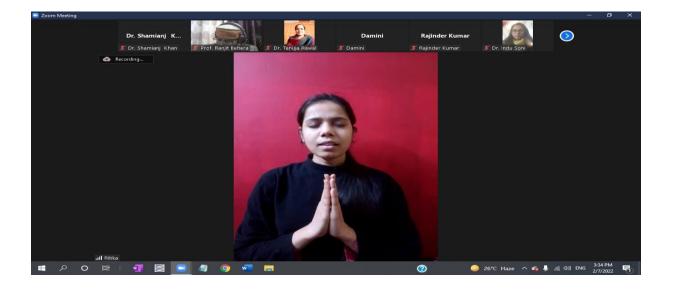




राष्ट्रीय वेबिनार विषय - 'राष्ट्रियशिक्षानीति: संस्कृतञ्च' मुख्यवक्ता - प्रोफेसर रंजीत, संस्कृत-विभाग बेहेरा, दिल्ली विश्वविद्यालय दिनांक - 7 फरवरी, 2022 समय - दोपहर - 3.30 बजे

जानकी देवी महाविद्यालय के संस्कृत-विभाग द्वारा 7 फरवरी, 2022 को 'राष्ट्रियशिक्षानीति: संस्कृतञ्च' विषय पर एक अंतर्जालीय संगोष्ठी का ऑनलाइन ज़ूम के माध्यम से आयोजन किया गया । इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत-विभाग से प्रोफेसर रंजीत बेहेरा महोदय को मुख्य-वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । भारतीय परंपरानुसार कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्कृत द्वितीय वर्ष की छात्रा रितिका ने मंगलाचरण गान किया । प्रोफेसर रंजीत महोदय ने अपने व्याख्यान के द्वारा नई शिक्षा नीति के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए संस्कृत शिक्षण के प्रारंभिक स्तर पर नई शिक्षा नीति के प्रभावों, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बनने वाली भावी संभावनाओं, संस्कृत के क्षेत्र में होने वाले आगामी परिवर्तनों और उनके प्रभावों के विषय में विस्तार से बताया । इस व्याख्यान में अन्य महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से भी आए हुए अनेक शिक्षकगणों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया । व्याख्यान के पश्चात् रंजीत महोदय ने विषय से संबंधित शंकाओं का प्रश्नोत्तर के माध्यम से समाधान किया । कार्यक्रम के अंत में संस्कृत विभागाध्याक्षा डॉ. तनुजा रावल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ ।





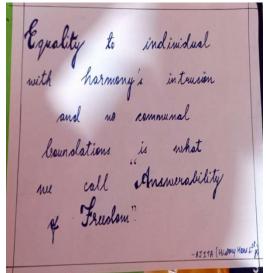




प्रतियोगिता का नाम - स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता (आजादी का अमृत महोत्सव) दिनांक - 25/01/2022 समय – दोपहर 2.00 बजे

जानकी देवी महाविद्यालय के संस्कृत-विभाग द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत 25/01/2022 को स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का ऑनलाइन ज़ूम के माध्यम से आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 30 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्कृत-विभाग की प्रथम वर्ष की छात्रा तनीषा द्वारा मंगलाचरण किया गया। इस कार्यक्रम में निर्णीयिका के रूप में लेडी श्रीराम महाविद्यालय के संस्कृत-विभाग की सह-प्राचार्या डॉ. पंकजा घई कौशिक महोदया एवं जानकी देवी महाविद्यालय के संगीत-विभाग की विरेष्ठ प्राध्यापिका डॉ. प्रेरणा अरोड़ा महोदया उपस्थित रहीं। इस प्रतियोगिता में अंग्रेजी भाषा स्लोगन राइटिंग में जानकी देवी महाविद्यालय के इतिहास विभाग से बी. ए. प्रथम वर्ष की छात्रा अजीता ने पुरस्कार जीता तथा अंग्रेजी विभाग की वर्ष की छात्रा साक्षी महाजन को प्रशस्ति प्रमाण पत्र दिया गया। हिंदी स्लोगन में जानकी देवी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग से तृतीय वर्ष की छात्रा उर्वशी ने पुरस्कार प्राप्त किया एवं बी. ए. प्रोग्राम की छात्रा अंशु शर्मा ने प्रशस्ति प्रमाण-पत्र जीता। संस्कृत स्लोगन में जानकी देवी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग से प्रथम वर्ष की छात्रा गरिमा पुरस्कार की विजेता रही। कार्यक्रम के अंत में शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।











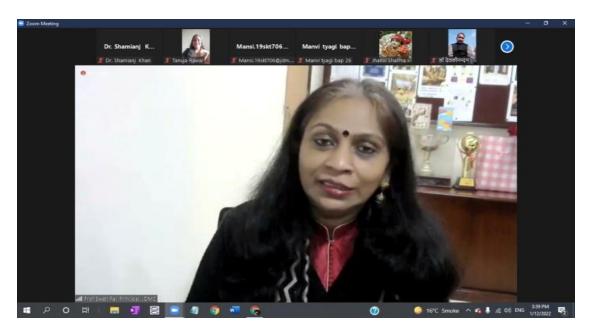


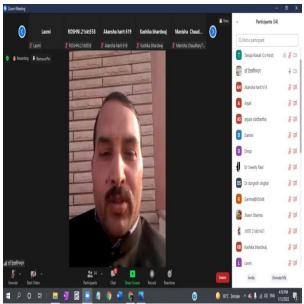
पंद्रह दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर- (029/12/2021-12/01/2022) समय - प्रतिदिन दोपहर 3.30 से 4.30

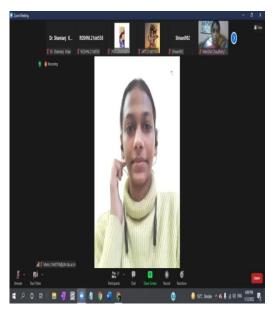
जानकी देवी कॉलेज के संस्कृत विभाग द्वारा, संस्कृत-भारती के तत्त्वावधान में 29 दिसंबर, 2021 से 12 जनवरी, 2022 तक 15 दिवसीय ऑनलाइन संस्कृत-संभाषण शिविर का ज़ूम के माध्यम से आयोजन किया गया । इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त विभिन्न कार्यक्षेत्रों से सम्बन्धित यथा-पत्रकार,चिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, ज्योतिषाचार्य, योगाचार्य आदि ने भी अत्यंत उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया । इसमें देश-विदेश से यथा दिल्ली,चंडीगढ,कनाडा से आए हुए कुल 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया । पंद्रह दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का उद्घाटन 29 दिसम्बर,2021को विभाग के सभी अध्यापकों की उपस्थिति में मंगलाचारण के साथ किया गया । संस्कृत भारती की ओर से कक्षाएँ लेने हेतु आई शिक्षिका डॉ. स्वीटी महोदया ने बहुत ही सरल एवं अभिनय पूर्वक संस्कृत सम्भाषण शिविर में अध्यापन प्रारम्भ किया और इस प्रकार 15 दिनों में 15 घण्टों के अध्यापन में छात्राओं ने संस्कृत सम्भाषण के प्रारम्भिक स्तर को सीखा, साथ ही दैनिक जीवन में आने वाली वस्तुओं के संस्कृत शब्दरूपों को भी जाना । 12 जनवरी 2022 को इस शिविर का समापन-समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में नेशनल स्कूल ऑफ संस्कृत ड्रामा के रजिस्ट्रार महोदय डॉ. ज्वाला प्रसाद एवं संस्कृत भारती के प्रांत मंत्री डॉ. देवकीनंदन उपस्थित रहे । कार्यक्रम के प्रारंभ में द्वितीय वर्षीय छात्रा मानवी द्वारा मंगलाचरण किया गया। इसके अनन्तर हमारे महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल महोदया ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए, छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन के

लिए प्रेरित भी किया। सभी प्रतिभागियों ने 15 दिवसीय संभाषण शिविर के अपने-अपने अनुभव को संस्कृत भाषा में ही प्रस्तुत किया। मुख्यातिथि महोदय डॉ. ज्वाला प्रसाद एवं डॉ. देवकीनंदन ने संस्कृत भाषा के महत्त्व और वर्तमान में संस्कृत की आवश्यकता के विषय में बताते हुए छात्राओं को संबोधित किया। अंत में संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ. तनुजा रावल महोदया द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।









राष्ट्रीय वेबिनार विषय – Research Methodology in Sanskrit' मुख्यवक्ती - प्रो. शशि तिवारी महोदया, अध्यक्षा वेव्स इंडिया दिनांक - 22 दिसंबर, 2021 समय - दोपहर - 2.30 बजे

22 दिसंबर, 2021 को जानकी देवी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा ग्लोबल संस्कृत फोरम, दिल्ली प्रांत के संयुक्त तत्त्वावधान में 'Research Methodology in Sanskrit' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का ऑनलाइन ज़ूम प्लेटफार्म पर आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य-वक्ती प्रो. शशि तिवारी महोदया, अध्यक्षा वेव्स इंडिया तथा ग्लोबल संस्कृत फोरम की अध्यक्षा प्रो. वंदना सूरज भान महोदया, उपाध्यक्ष विजय गर्ग महोदय एवं अन्य महाविद्यालयों के विभिन्न विद्वतगण एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्कृत तृतीय वर्ष की छात्रा लिलता द्वारा मंगलाचरण किया गया । इसके पश्चात प्रो. शशि तिवारी महोदया ने संस्कृत- साहित्य में निहित शोध विषय, शोध की प्रविधि एवं शोध के क्षेत्र में आने वाली विभिन्न समस्याओं के निवारणों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए, बहुत ही रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया । अंत में प्रश्नोत्तर के द्वारा प्रतिभागियों की शंकाओं का निवारण भी किया । कार्यक्रम के अंत में संस्कृत-विभागाध्यक्षा डॉ. तनुजा रावल ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम में उपस्थित अन्य सभी प्रतिभागी गणों एवं श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया । विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं अध्यापकों सहित ८९ प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया । शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।







